www.kautilyaacademy.com

/Kautilyaacademy

कौटिल्य एकेडमी

IAS, IPS, MPPSC

- अंतर्राष्ट्रीय
- राष्ट्रीय
- विज्ञान
- अध्ययन
- पर्यावरण
- राजव्यवस्था
- योजना/ नीति
- कला-संस्कृति
- अर्थव्यवस्था
- सामाजिक मुद्दे

डेली करेंट अफ़ेयर्स

21 जून 2024

कौटिल्य एकेडमी

मध्यप्रदेश के महत्वपूर्ण आयोग

क्र.	आयोग	गठन	प्रमुख	कार्यकाल	नियुक्ति	त्यागपत्र
1.	म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग (अनु 243K)	1 फरवरी 1994	श्री बसंत प्रताप सिंह	6 वर्ष / 66 वर्ष आयु	राज्यपाल	राज्यपाल
2.	मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग (अनु. 315-323)	1 नवम्बर 1956	राजेश लाल मेहरा	6 वर्ष / 62 वर्ष आयु	राज्यपाल	राज्यपाल
3.	राज्य अनुसूचित जाति आयोग (एक्ट 1995)	29 जून, 1995	आनंद अहिरवार	3 वर्ष	राज्य सरकार	राज्य सरकार
4.	राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग (एक्ट 1995)	29 जून, 1995	-	3 वर्ष	राज्य सरकार	राज्य सरकार
5.	राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग (एक्ट 1995) धारा 4 (1)	13 मार्च, 1993	डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया	3 वर्ष	राज्य सरकार	राज्य सरकार
6.	म.प्र. राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग	सितम्बर, 2021	गौरी शंकर बिसेन	2 वर्ष	राज्य सरकार	राज्य सरकार
7.	राज्य मानवाधिकार आयोग (एक्ट-1993)	13 सितम्बर 1995	मनोहर ममतानी (कार्यवाहक)	3 वर्ष / 70 वर्ष आयु	राज्यपाल द्वारा (चयन CM नेतृत्व में गठित समिति)	राज्यपाल

8.	राज्य महिला आयोग (एक्ट-1995)	23 मार्च 1998	पद रिक्त (पूर्व अध्यक्ष शोभा ओझा)	3 वर्ष / 65 वर्ष आयु	राज्य सरकार	राज्य सरकार
9.	राज्य बाल संरक्षण आयोग (एक्ट 2005)	22 दिसम्बर 2007	द्रविंद्र मोरे	3 वर्ष / 65 वर्ष आयु	राज्य सरकार (चयन समिति द्वारा)	राज्य सरकार
10.	मध्यप्रदेश राज्य खाद्य आयोग (एक्ट 2013)	22 अगस्त 2005	श्री अरविंद कुमार शुक्ला	5 वर्ष / 65 वर्ष आयु	राज्यपाल	राज्यपाल
11.	राज्य सूचना आयोग (एक्ट 2005)	11 अप्रैल 2017	वीरेन्द्र कुमार मल्होत्रा	5 वर्ष / 65 वर्ष आयु	राज्य सरकार	राज्य सरकार
12.	मध्यप्रदेश लोकायुक्त (एक्ट 1981)	फरवरी 1982	श्री न्यायमूर्ति सत्येन्द्र कुमार सिंह	5 वर्ष / 65 वर्ष आयु	राज्यपाल	-
13.	म.प्र. अल्पसंख्यक आयोग	23 अक्टूबर 1996	नियाज मोहम्मद खान	3 वर्ष	राज्यपाल	-
14.	मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग	17 जून, 1994	-	5 वर्ष	राज्यपाल	-
15.	राज्य नीति आयोग अध्यक्ष	24 अक्टूबर 1972	श्री मोहन यादव (पदेन अध्यक्ष-मुख्यमंत्री)	-	राज्य सरकार	राज्यपाल
16.	राज्य नीति आयोग उपाध्यक्ष	24 अक्टूबर 1972	श्री सचिन चतुर्वेदी	-	राज्य सरकार	राज्य सरकार
17.	राज्य युवा आयोग	अप्रैल, 2023	-	2 वर्ष	राज्य सरकार	राज्य सरकार

अन्य प्रमुख आयोग

आयोग	अध्यक्ष
राज्य कृषि आयोग अध्यक्ष	श्री ईश्वर लाल पाटीदार
राज्य भूमि सुधार आयोग अध्यक्ष	श्री गोपाल प्रसाद सिंघल
राज्य उपभोक्ता आयोग कार्यकारी अध्यक्ष	श्री अशोक तिवारी
राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग	न्यायमूर्ति शांतनु एस. केमकर
राज्य सांख्यिकी आयोग (प्रो. अमिताभ कुंडू की सिफारिश पर स्थापित)	श्री प्रवीण श्रीवास्तव
मध्यप्रदेश योग आयोग के प्रथम अध्यक्ष	वेद प्रकाश शर्मा

मध्यप्रदेश के जनजातीय प्रदेश

प्रदेश	संबंधित जिले	प्रमुख जनजाति
पूर्वी जनजातीय प्रदेश	शहडोल, सिंगरौली, अनूपपुर, उमरिया, सीधी, कटनी	गोंड, कोल, बैगा
पश्चिम जनजातीय प्रदेश	अलीराजपुर, झाबुआ, बड़वानी, धार, खरगौन, खण्डवा, बुरहानपुर, धार, मंदसौर, रतलाम	भील, भिलाला, कोरकू
उत्तरी जनजातीय प्रदेश	श्योपुर, ग्वालियर, शिवपुरी, मुरैना, भिण्ड, गुना	सहरिया
मध्य / दक्षिणी जनजातीय प्रदेश	डिंडोरी, मण्डला, बैतूल, सिवनी, छिन्दवाड़ा, पांढुर्णा, हरदा, बालाघाट	गोंड, भारिया, कोरकू, परधान, बैगा

म. प्र. में सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति जनसंख्या वाले जिले

क्र.	जिला	जनसंख्या
1.	धार	1222814
2.	बड़वानी	962145
3.	झाबुआ	891818

म. प्र. में न्यूनतम अनुसूचित जनजाति जनसंख्या वाले जिले

क्र.	जिला	जनसंख्या
1.	भिण्ड	6131
2.	दतिया	15061
3.	मुरैना	17030

म. प्र. में सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति जनसंख्या प्रतिशत वाले जिले

क्र.	जिला	जनसंख्या प्रतिशत
1.	अलीराजपुर	89.0
2.	झाबुआ	87.0
3.	बड़वानी	69.4

म. प्र. में न्यूनतम अनुसूचित जनजाति जनसंख्या प्रतिशत वाले जिले

क्र.	जिला	जनसंख्या प्रतिशत
1.	भिण्ड	0.4
2.	मुरैना	0.9
3.	दतिया	1.9

मध्यप्रदेश में प्रमुख लोक चित्रकलाएँ

लोक चित्रकला	क्षेत्र / अंचल	मुख्य विशेषता / अवसर
जिरौती	निमाड़	सावन मास की हरियाली अमावस्या पर भित्ति चित्र बनाया जाता है।
थापा	निमाड़	सेली सप्तमी पर दीवारों पर हाथ का थापा लगाया जाता है।
पगल्या	निमाड़	पहले शिशु जन्म पर शुभ संदेश का रेखांकन किया जाता है।
ईरत	निमाड़	विवाह में कुलदेवी का भित्ति चित्र बनाकर पूजा की जाती है।
कंचाली भरना	निमाड़	विवाह के अवसर पर दूल्हा-दुल्हन के मस्तक पर कंचाली भरी जाती है।
खोपड़ी पूजन	निमाड़	देव प्रबोधिनी ग्यारस को खोपड़ी पूजन किया जाता है।

मोरधन	निमाड़	यह चित्र दीपावली के अवसर पर बनाए जाते हैं।
माण्डना	मालवा / निमाड़	दीपावली के समय घर आँगन में बनाया जाता है। माण्डना के चिन्ह हड़प्पा और मोहनजोदड़ो में पाये गए हैं। माण्डना में पुष्प, त्रिभुज, चतुर्भुज, वृत्त, शंख, घंटी, स्वास्तिक तथा तरंग की आकृति आदि बनाई जाती है। जिससे भूमि को अलंकृत किया जाता है। माण्डना को 64 कलाओं में शामिल किया। गया है, जिसे अल्पना कहते हैं।
दिवासा	मालवा	श्राद्ध पक्ष में युवतियों द्वारा बनाई जाती है।
चित्रावण	मालवा	विवाह के समय वधू पक्ष के घर की मुख्य दीवार पर बनाया जाने वाला भित्तिचित्र (हल्दी व गेरू से) है। धूलजी महाराज चित्रावण के प्रमुख कलाकार हैं।
संजा	मालवा	संजा चित्रकला में फूल, सूर्य, चन्द्रमा आदि को चित्रित करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाता है तथा इसमें 16 दिनों तक अलग-अलग पारंपरिक आकृतियाँ बनाई जाती हैं। इसमें 'जलेबी का जोड़' आकृति बनायी जाती है। यह किशोरियों का पर्व है।
सवनाही	मालवा	घर आने वाली बाधाओं और संकटों को रोकने हेतु महिलाऐं श्रावण मास की अमावस्या के दिन घर के मुख्य द्वार पर सवनाही (गोबर की मोटी रेखा) का अंकन करती हैं।
राघौगढ़ (खींचीवाड़ा)	मालवा	इसमें प्राकृतिक रंगों का प्रयोग होता है, इस शैली के महान चित्रकार बैजनाथ थे। इसमें जिरौती देवी की पाँच आकृतियाँ, पैर के नीचे सिंहासन चाँद, सूरज, तुलसी, स्वास्तिक, आभूषण तथा रसोईघर आदि का चित्रण होता है।
सुरौती	बुन्देलखण्ड	दीपावली पर लक्ष्मी पूजा के समय बनाया जाने वाला भित्तिचित्र (गेरू से) है।
मामुलिया	बुन्देलखण्ड	नवरात्रि में गोबर से कुँवारी कन्याओं द्वारा बनाया जाने वाला भित्तिचित्र है।

मोरते	बुन्देलखण्ड	विवाह के समय मुख्य दरवाजे पर पुतरी का भित्तिचित्र बनाया जाता है।
नौरता / नवरत	बुन्देलखण्ड	नवरात्रि में मिट्टी, गेरू, हल्दी से कुँवारी कन्याओं द्वारा बनाया जाने वाला भित्तिचित्र। इसमें नवदुर्गा के चित्र उकेरे जाते हैं।
बरायन / बहेंगर / अग रोहन	बुन्देलखण्ड, बघेलखण्ड	वधू मण्डप में विवाह के अवसर पर बनाए जा ते हैं।
मोरइला (मोर मुरैला)	बुन्देलखण्ड, बघेलखण्ड	दीवारों पर विभिन्न रंगों से मोर के भित्तिचित्र बनाए जाते हैं।
कोहबर	बघेलखण्ड	वैवाहिक आनुष्ठानिक भित्तिचित्र है। कोहबर की आकृतियों को पुतरिया कहते है।
छठी चित्र	बघेलखण्ड	शिशु जन्म के छठवें दिन छठी माता का गेरू से भित्तिचित्र बनाया जाता है।
तिलंगा	बघेलखण्ड	कोयले में तिल्ली के तेल को मिलाकर तिलंगा का भित्तिचित्र बनाया जाता है।
नेऊरा नमे	बघेलखण्ड	भादों माह की नवमी को सुहागिन महिलाएँ पांरपरिक भित्तिचित्र बनाकर पूजा करती हैं।
पाटनगढ़ गोंड चित्रकला	डिंडोरी/ बघेलखण्ड	घरों की दीवारों से गोंड कला धीरे-धीरे कागज और कैनवास पर स्थानांतरित हो गई।
पिथौरा/पिठौरा	भील, भिलाला जनजाति	पिठौरा चित्रणों मे अधिकांश देवी देवताओं का प्रतिनिधि पशु घोड़ा बनाया जाता है। पिठौरा चित्रकार को लखिन्दरा कहा जाता है। पिठौरा चित्रण में रावण को 12 मुख का बनाया जाता है। राम-लक्ष्मण को शिकारी के रूप में चित्रित किया जाता है। पेमा फल्या इस शैली के प्रमुख चित्रकार है।
संजाफुली	सम्पूर्ण मध्यप्रदेश	सम्पूर्ण मध्यप्रदेश क्वांर मास में कुँवारी लड़कियों द्वारा बनाया जाने वाला भित्तिचित्र है।